

Title:Need to shift jails on the outskirts of the cities.

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी (अहमदनगर) : अवसर यह देखा गया है कि बड़े-बड़े महानगरों तथा छोटे-छोटे नगरों में घनी आबादी के कारण भूमि की कीमत आसमान छूने लगी है। शहरों में जमीन उपलब्ध न होने के कारण शहर के कई सरकारी कार्यालय तथा निवासी भी महानगर/शहर की सीमा रेखा के बाहर स्थानान्तरित हो रहे हैं। यह जनता अपने रोज के व्यवहार के कारण शहरों में आती है और ज्यादा भीड़ होने के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। महानगर/शहरों की घनी आबादी के कारण शहर के कारागृह शहरों के मध्यवर्ती क्षेत्र में आ गये हैं। जेल कैदियों का आवागमन तथा उनको मिलने हेतु आने वाले लोगों की वजह से कारागृह के आस-पास की जनता भयभीत रहती है। कारागृह के पास सैकड़ों एकड़ भूमि खाली पड़ी है जिसकी आज बाजार दरों से करोड़ों में कीमत है। अगर ये कारागृह शहर के बाहर कम दाम पर भूमि लेकर स्थानान्तरित किये गये तो शहर स्थित कारागृह के आस-पास की जनता को सहत मिलेगी और महानगरों/शहरों में मध्यवर्ती क्षेत्र में सैकड़ों एकड़ भूमि सरकार को मिलेगी। वहाँ सारे सरकारी कार्यालय, कालोनियाँ बसाकर महानगर/शहर के विकास के साथ-साथ शहर के मध्यवर्ती क्षेत्र में जैसी शैक्षणिक सुविधा भी उपलब्ध हो सकती हैं। महानगर/शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए मध्यवर्ती क्षेत्र में बसे हुए कारागृह शहर के बाहर स्थानान्तरित किए जाएं।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि इस सूचना पर गंभीरता से विचार करके कार्यवाही करें।